गुरुकृपा

श्रीगुरु की कृपा के विषय पर शास्त्रों से उद्धरण

'हठयोगप्रदीपिका' से एक श्लोक

हठयोगप्रदीपिका ४.९

दुर्लभो विषयत्यागो दुर्लभं तत्त्वदर्शनम्।
दुर्लभा सहजावस्था सद्गुरोः करुणां विना॥

सद्गुरु की करुणा के बिना
विषयभोगों से विरक्ति असम्भव है।
सद्गुरु की कृपा के बिना सत्य के दर्शन पाना दुर्लभ है।
सद्गुरु के कृपाप्रसाद के बिना
सहज समाधि अर्थात् आत्मा में तन्मयता की सहज अवस्था अलभ्य है।

डिज़ाइन व अंग्रेज़ी भाषान्तर : © २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।